Title: Regarding activities of the Bajrang Dal against the christian missionaries in the country.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, अपने देश के संविधान की रक्षा हम सब लोगो को मिलकर करनी चाहिए। लेकिन अपने देश में बजरंग दल द्वारा उड़ीसा, गुजरात, महाराट्र आदि स्थानों पर क्रिश्चियन मिशनरियों पर अटैक करने का प्रयास हो रहा है। उसके पीछे बजरंग दल का यह कहना है कि ये लोग दबाव डालकर क्रिश्चिएनिटी एक्सैप्ट कराने का प्रयास करते हैं। मैं उन्हें एक जानकारी देना चाहता हूं कि क्रिश्चियन मिशनरियों के स्कूलों में 10 से 12 परसेन्ट बच्चे क्रिश्चियन होते हैं, बाकी 85 प्रतिशत से भी ज्यादा बच्चे हिन्दू होते हैं। इसलिए किसी विद्यार्थी पर क्रिश्चियन धर्म अपनाने का दबाव डालने का आरोप लगाना उचित नहीं है। इसके बावजूद परसों छः तारीख को ठाणे में एक क्रिश्चियन मिशनरी के फादर पर हमला हुआ है। क्रिश्चियन्स के चर्च पर हमला हुआ है। इस प्रकार बजरंग दल की एक्टीविटीज हमारे देश की एकता को तोड़ना चाहती हैं, सेक्युलरिज्म को खत्म करना चाहती हैं। इसलिए बजरंग दल को खत्म करने की आवश्यकता है, उस पर बैन लगाने की आवश्यकता है। मेरा सरकार से निवेदन है कि बजरंग दल अगर हनुमान जी का नाम रोशन करना चाहता है तो उन्हें क्रिश्चियन समाज पर हमला नहीं करना चाहिए।

अगर ये इसी तरह से हमला करने का काम चालू रखेंगे तो बजरंग दल पर बैन लगाने की हमारी माँग है। हमारे प्रभु जी यहां बैठे हैं, राम नाईक जी भी इधर हैं। हम इनसे पूछना चाहते हैं कि बजरंग दल पर आप जल्दी से जल्दी बैन लगाने वाले हैं या नहीं और नहीं लगाने वाले हैं तो क्यों नहीं और लगाने वाले हैं तो कब तक लगाने वाले हैं यह भी उत्तर हमें आपसे चाहिए।